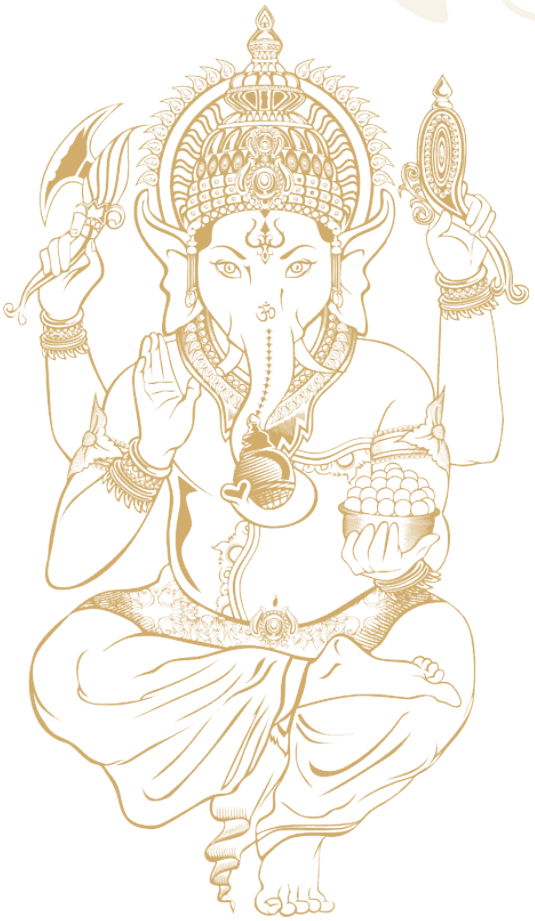

Mr.

04 Feb 1957

12:00 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121166804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/02/1957**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:00:00 घंटे**
इष्ट	42:10:05 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:39:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:55 घंटे
साम्पातिक काल	08:33:51 घंटे
सूर्योदय	07:07:57 घंटे
सूर्यास्त	18:01:33 घंटे
दिनमान	10:53:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:25:29 मकर
लग्न के अंश	10:25:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:25:02	311:28:28	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			मक	21:25:29	01:00:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	03:38:12	11:59:47	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	10:30:28	00:36:47	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			धनु	26:07:55	01:03:07	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
गुरु	व		कन्या	08:00:02	00:03:28	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	04:08:42	01:15:01	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	19:10:06	00:04:28	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		वृश्चि	01:47:21	00:09:51	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	01:47:21	00:09:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		कर्क	11:15:59	00:02:34	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	---
नेप	व		तुला	09:20:13	00:00:02	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
प्लूटो	व		सिंह	06:18:20	00:01:27	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	12:49:32	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:15:44

लग्न-चलित

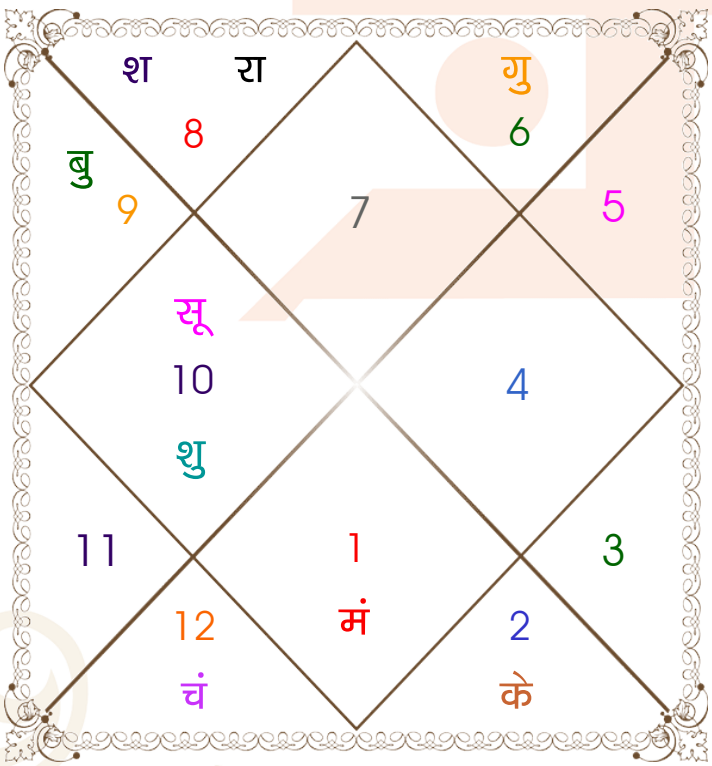

चन्द्र कुंडली

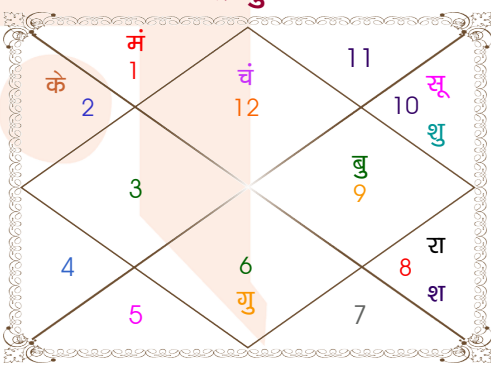

नवमांश कुंडली

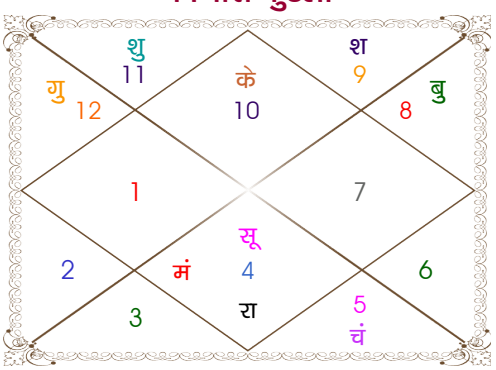

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 6 मास 24 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/02/1957		30/08/1975		30/08/1992		30/08/1999		30/08/2019	
30/08/1975		30/08/1992		30/08/1999		30/08/2019		30/08/2025	
शनि	02/09/1959	बुध	26/01/1978	केतु	26/01/1993	शुक्र	30/12/2002	सूर्य	18/12/2019
बुध	13/05/1962	केतु	23/01/1979	शुक्र	28/03/1994	सूर्य	30/12/2003	चंद्र	18/06/2020
केतु	21/06/1963	शुक्र	23/11/1981	सूर्य	03/08/1994	चंद्र	30/08/2005	मंगल	23/10/2020
शुक्र	21/08/1966	सूर्य	30/09/1982	चंद्र	04/03/1995	मंगल	30/10/2006	राहु	17/09/2021
सूर्य	03/08/1967	चंद्र	29/02/1984	मंगल	31/07/1995	राहु	30/10/2009	गुरु	06/07/2022
चंद्र	03/03/1969	मंगल	25/02/1985	राहु	17/08/1996	गुरु	30/06/2012	शनि	18/06/2023
मंगल	12/04/1970	राहु	15/09/1987	गुरु	24/07/1997	शनि	30/08/2015	बुध	24/04/2024
राहु	16/02/1973	गुरु	20/12/1989	शनि	02/09/1998	बुध	30/06/2018	केतु	30/08/2024
गुरु	30/08/1975	शनि	30/08/1992	बुध	30/08/1999	केतु	30/08/2019	शुक्र	30/08/2025

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/08/2025		30/08/2035		30/08/2042		30/08/2060		30/08/2076	
30/08/2035		30/08/2042		30/08/2060		30/08/2076		00/00/0000	
चंद्र	30/06/2026	मंगल	26/01/2036	राहु	12/05/2045	गुरु	18/10/2062	शनि	04/02/2077
मंगल	29/01/2027	राहु	13/02/2037	गुरु	06/10/2047	शनि	30/04/2065		00/00/0000
राहु	30/07/2028	गुरु	20/01/2038	शनि	12/08/2050	बुध	06/08/2067		00/00/0000
गुरु	29/11/2029	शनि	01/03/2039	बुध	28/02/2053	केतु	12/07/2068		00/00/0000
शनि	30/06/2031	बुध	26/02/2040	केतु	19/03/2054	शुक्र	13/03/2071		00/00/0000
बुध	29/11/2032	केतु	24/07/2040	शुक्र	18/03/2057	सूर्य	30/12/2071		00/00/0000
केतु	30/06/2033	शुक्र	23/09/2041	सूर्य	10/02/2058	चंद्र	30/04/2073		00/00/0000
शुक्र	01/03/2035	सूर्य	29/01/2042	चंद्र	12/08/2059	मंगल	06/04/2074		00/00/0000
सूर्य	30/08/2035	चंद्र	30/08/2042	मंगल	30/08/2060	राहु	30/08/2076		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 6 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।